राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
8 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक परिसर, अरेरा हिल्स, भोपाल, मध्यप्रदेश

क्रं./एन.एच.एम./NIPI/2015/8350 भोपाल, दिनांक 13/07/2015

प्रति,

समस्त, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
मध्यप्रदेश।

विषयः **नेशनल आयरन प्लस इनिशिएटिव कार्यक्रम के अन्तर्गत खण्ड स्तर पर आशा कार्यकर्ताओं का मासिक बैठक में उन्मुखीकरण किए जाने के संबंध में।**

विषयांतर्गत लेख है कि नेशनल आयरन प्लस इनिशिएटिव कार्यक्रम के अन्तर्गत रिर्पोटिंग प्रणाली को सुदृढ करने हेतु शालाओं एवं आंगनवाडी केन्द्रों से रिर्पोट लेकर आशा सहयोगिनी को देने हेतु जवाबदेह बनाया गया है। अतः कार्यक्रम के क्रियान्वयन एवं रिर्पोटिंग के संबंध में आशा कार्यकर्ताओं का उन्मुखीकरण अति आवश्यक है।

उक्त के संबंध में निर्देशित किया जाता है की :-

- कार्ययोजना 2015-16 में आशा कार्यकर्ताओं का मासिक बैठक में उन्मुखीकरण किए जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गयी है।
- प्रत्येक जिले में क्रियाशील आशा कार्यकर्ताओं की संख्या के मान से बैच निर्धारित किए गए है तथा प्रत्येक बैच में 50 आशा कार्यकर्ताओं का उन्मुखीकरण मासिक बैठक में किया जाए।
- प्रशिक्षण का विवरण निम्नानुसार हैः-

गतिविधि कोड	प्रशिक्षण विवरण	प्रशिक्षण अवधि	प्रतिभागी	स्वीकृत यूनिट राशि (रू.में)	समय-सीमा
A.2.12.1.3	आशा कार्यकर्ताओं का उन्मुखीकरण	1 दिवस	आशा	1250/- प्रति बैच	माह अगस्त 2015 से माह सितम्बर 2015

- प्रशिक्षण हेतु राज्य कार्ययोजना 2015-16 में उक्त एफ.एम.आर. कोड A.2.12.1.3 में बजट स्वीकृत है।
- प्रशिक्षण हेतु प्रति बैच के लिए वित्तीय प्रावधान निम्नानुसार स्वीकृत किया जाता हैः-

S.No.	Particulars	Unit cost (in Rs.)	No. of participants	Amount (in Rs.)
1	Brochure/Handout/Photocopy)	10	50	500
2	Tea & Snacks	15	50	750
	Total			1,250

- जिलेवार आंवटित बैच संख्या एवं बजट का विवरण **अनुलग्नक 'अ'** पर संलग्न है।
- उन्मुखीकरण में नेशनल आयरन प्लस इनिशिएटिव कार्यक्रम के ब्रॉशर की रंगीन छायाप्रति समस्त आशा कार्यकर्ताओं को प्रदान की जाए। ब्रॉशर की प्रति **अनुलग्नक 'ब'** पर संलग्न है।
- प्रशिक्षण में उपयोग हेतु ब्रॉशर एवं प्रजेन्टेशन की सॉफ्ट कापी ई-मेल द्वारा प्रेषित की जा रही है।

- **समस्त प्रशिक्षण निर्धारित समय–सीमा अर्थात् माह सितम्बर 2015 में पूर्ण किए जाये। प्रशिक्षण हेतु उचित स्थल का चयन कर एवं प्रतिभागियों को पूर्व सूचना दी जाये जिससे शत प्रतिशत प्रतिभागिता सुनिश्चित हो।**
- प्रशिक्षण उपरांत कुल आयोजित बैच, प्रशिक्षित प्रतिभागियों की संख्या, संक्षिप्त रिपोर्ट एवं फोटो के साथ राज्य स्तर पर पत्र एवं ई–मेल (ddwifsmpnrhm@gmail.com) पर प्रेषित की जाए।
- उन्मुखीकरण उपरांत एफ.एम.आई.एस. के गतिविधि क्रमांक A.2.12.1.3 में भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की प्रविष्टि अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।
- डेवलपमेन्ट पार्टनर्स (यूनिसेफ, डी–वर्म द वर्ल्ड इनिशिएटिव, एम.आई.) के संभाग एवं जिला स्तर पर पदस्थ समन्वयकों से गतिविधि के आयोजन में उचित सहयोग प्राप्त किया जाए।

संलग्न : उपरोक्तानुसार

O/C (फैज़ अहमद किदवई)
मिशन संचालक, एन.एच.एम
मध्यप्रदेश

क्र./एन.एच.एम./NIPI/2015/8351 भोपाल, दिनांक 23/07/2015

प्रतिलिपि :–

1. प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग वल्लभ भवन, मध्यप्रदेश।
2. आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाएं, मध्यप्रदेश।
3. उपसंचालक, आशा, एन.एच.एम., मध्यप्रदेश।
4. समस्त संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं, मध्यप्रदेश।
5. राज्य कार्यक्रम प्रतिनिधि, माइक्रोन्यूट्रिएन्ट इनिशिएटिव, मध्यप्रदेश।
6. पोषण अधिकारी, यूनिसेफ, मध्यप्रदेश।
7. राज्य कार्यक्रम प्रबंधक, डीवर्म द वर्ल्ड इनिशिएटिव, मध्यप्रदेश।
8. समस्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी –1 की ओर लेख है की आर.एम.एन.सी.एच.+ ए.के अन्तर्गत उक्त गतिविधि समयसीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें।
9. समस्त जिला पोषण सलाहकार, शिशु स्वास्थ्य–पोषण, एन.एच.एम.,म.प्र.।
10. समस्त जिला कार्यक्रम प्रबंधक, एन.एच.एम., मध्यप्रदेश।
11. समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारी मध्यप्रदेश।
12. समस्त खण्ड कार्यक्रम प्रबंधक, मध्यप्रदेश।

O/C मिशन संचालक, एन.एच.एम
मध्यप्रदेश

अनुलग्नक –अ

National Iron Plus Initiative (NIPI)

Activity code - A.2.12.1.3-Orientation of ASHAs in monthly meeting

Sr. No.	District	No of ASHA	No of Batches	Budget @ Rs.1250/batch (in Rs.)
1	Agar	505	10	0.13
2	Alirajpur	620	12	0.16
3	Anuppur	811	16	0.20
4	Ashok Nagar	839	17	0.21
5	Balaghat	1199	24	0.30
6	Barhwani	1096	21	0.26
7	Betul	1344	26	0.33
8	Bhind	1234	25	0.31
9	Bhopal	512	10	0.13
10	Burhanpur	431	9	0.11
11	Chhattarpur	1550	31	0.39
12	Chhindwara	2114	42	0.53
13	Damoh	1171	23	0.29
14	Datia	658	13	0.16
15	Dewas	1210	24	0.30
16	Dhar	1715	34	0.43
17	Dindori	962	19	0.24
18	Guna	1279	26	0.32
19	Gwalior	690	14	0.17
20	Harda	444	9	0.11
21	Hoshangabad	1130	23	0.28
22	Indore	726	15	0.18
23	Jabalpur	1294	25	0.31
24	Jhabua	904	18	0.23
25	Katani	951	19	0.24
26	Khandwa	888	17	0.21
27	Khargone	1237	25	0.31
28	Mandla	1234	25	0.31
29	Mandsor	1085	22	0.27
30	Morena	1491	30	0.37
31	NarsinghPur	1118	22	0.28
32	Neemach	763	15	0.19
33	Panna	1147	23	0.29
34	Raisen	1144	23	0.29
35	Rajgarh	1458	28	0.35
36	Ratlam	1056	21	0.26
37	Rewa	2091	41	0.51
38	Sagar	1970	39	0.49
39	Satna	2004	40	0.50
40	Sehore	1081	22	0.27
41	Seoni	1664	33	0.42
42	Shahdol	982	20	0.25
43	Shajapur	606	12	0.15
44	Sheopur	564	11	0.14
45	Shivpuri	1727	34	0.43
46	Sidhi	1206	24	0.30
47	Singrauli	875	18	0.22
48	Tikamgarh	1068	21	0.27
49	Ujjain	1148	23	0.29
50	Umaria	654	13	0.16
51	Vidisha	1430	29	0.36
	Madhya Pradesh	57080	1136	14.20

अनुलग्नक 'ब'

ध्यान देने योग्य बातें

- आई.एफ.ए. की प्रदायगी स्वास्थ्य कार्यकर्ता / आँगनवाड़ी कार्यकर्ता / शिक्षक की निगरानी में सुनिश्चित की जाये।
- आई.एफ.ए. की गोली की प्रदायगी भोजन के पश्चात् ही सुनिश्चित की जाए।
- आशा कार्यकर्ता बच्चे के परिजन / माता को आई.एफ.ए. सिरप के लाभ के बारे में बताएं कि बच्चे के शारीरिक, बौद्धिक विकास, शिक्षा में ध्यान केन्द्रित करने एवं वृद्धि के लिये आवश्यक है।
- शिक्षकों/आँगनवाड़ी कार्यकर्ता /आशा कार्यकर्ता द्वारा मध्यम एवं गंभीर एनीमिया की पहचान कर उन्हें उचित स्वास्थ्य उपचार हेतु रेफर करें।
- विवाहित किशोरी बालिकाओं को भी आई.एफ.ए. की गोली का सेवन सुनिश्चित करवाया जाए।
- आई.एफ.ए. गोली / सिरप अनुपूरण के कुछ सामान्य साइड इफेक्ट (जैसे उल्टी, काली टट्टी होना आदि) हो सकते हैं। ऐसी स्थिति मे गोली खाना बंद नहीं करना है।
- जिन बच्चों की आंत में अधिक कृमि होते हैं एल्बेंडाजोल लेने के पश्चात पेट में दर्द और मितली महसूस हो सकती है।
- पेट दर्द और जी मचलाने की अवस्था में पीने के लिये पानी दें एवं खुली हवादार जगह पर लिटाकर आराम करायें।
- यदि किसी प्रकार के गंभीर लक्षण जैसे बेहोशी या ऐसे लक्षण जो सामान्य लक्षणों से भिन्न हो ऐसी अवस्था में तुरन्त नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र में संपर्क करें। (इस हेतु 108 या जननी एक्सप्रेस के वाहन का उपयोग करें)
- सुनिश्चित करें कि बच्चे एल्बेंडाजोल की गोली चबा कर ही लें।
- जो बच्चे बीमार हैं (बुखार, डायरिया, निमोनिया आदि) उन्हें दवाई न दें।

नवजात शिशुओं के शरीर में 6 माह तक आयरन का पर्याप्त भण्डारण होता है तथा आवश्यक आयरन की पूर्ति माँ के दूध में उपलब्ध आयरन से हो जाती है। अतः 6 माह से छोटे शिशुओं को आयरन न दिया जाए।

नेशनल आयरन प्लस इनीशिएटिव कार्यक्रम का क्रियान्वयन

शालाओं के माध्यम से -

- शासकीय एवं शासकीय अनुदान प्राप्त स्कूलों के कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के छात्र एवं छात्राओं को तथा कक्षा 6 से कक्षा 12 में पंजीकृत समस्त विद्यार्थियों को प्रति सप्ताह मंगलवार को आई.एफ.ए. की गोली शिक्षक की निगरानी में प्रदान की जाये।
- छूटे हुए विद्यार्थियों को अगले दिन (बुधवार) आई.एफ.ए. का सेवन करवाया जाये।
- अवकाश के दिनों में अभिभावकों को समझाइश देते हुए आई.एफ.ए. की गोली का सेवन बच्चों में सुनिश्चित की जाये।
- स्कूलों में पोषण स्वास्थ्य शिक्षा सत्रों का आयोजन शिक्षकों द्वारा किया जाये एवं विद्यार्थियों को एनीमिया की रोकथाम एवं गोली खाने के महत्व के बारे में बताया जाये। प्रत्येक शाला के कक्षा 1 से 12 वी तक के शिक्षको में से एक शिक्षक को शाला स्वास्थ्य मोटीवेटर के रूप में चिन्हित किया जाये जो छात्रों को स्वच्छता, संतुलित आहार तथा आम बीमारियों हेतु जागरूक करेंगे। साथ ही समन्वित स्वास्थ गतिविधियों के संचालन में सहयोग करेंगे।
- प्रत्येक शालाओं में शालावार एक विद्यार्थी का चिन्हांकन स्वास्थ मॉनीटर के रूप में किया जाए जो अपने सहपाठियों को व्यक्तिगत स्वच्छता संबंधी बातों की समझाईश देकर उन्हें आई.एफ.ए. की गोली प्रत्येक सप्ताह खाने हेतु प्रेरित करेंगे।

आँगनवाड़ी केन्द्रो एवं ग्राम आरोग्य केन्द्रों के माध्यम से

- 6 माह से 60 माह तक के बच्चों, 5 से 19 वर्ष के शाला त्यागी / शाला प्रवेशी बच्चे गर्भवती एवं धात्री माताओं तथा 20 से 49 वर्षीय प्रजनन कालिक महिलाओं को आई.एफ.ए. का सेवन आँगनवाड़ी कार्यकर्ता/ स्वास्थ्य कार्यकर्ता / आशा कार्यकर्ता की निगरानी में सुनिस्त किया जाए।
- आशा कार्यकर्ता द्वारा आई.एफ.ए. की गोली का वितरण गृह भेंट के दौरान, गर्भनिरोधक के वितरण एवं एच.बी.एन.सी. के साथ सुनिश्चत किया जाए।

प्रत्येक 6 माह के अंतराल पर (वर्ष में दो बार) कृमिनाशन हेतु एल्बेंडाजोल की प्रदायगी सुनिश्चित की जाये।

यूनिसेफ
मध्यप्रदेश

माइक्रोन्यूट्रीएन्ट इनिशिएटिव
मध्यप्रदेश

डी वर्म द वर्ल्ड एनिशिएटिव
मध्यप्रदेश

बनो

नेशनल आयरन प्लस इनिशिएटिव कार्यक्रम

सर्व शिक्षा अभियान

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश

एनीमिया : खून की कमी

एनीमिया एक व्यापक स्वास्थ्य संबंधी समस्या है। जिसके कारण पूरा जीवन चक्र प्रभावित होता है। जब रक्त में हिमोग्लोबिन की मात्रा सामान्य से कम हो जाती है तो खून में ऑक्सीजन का प्रवाह कम हो जाता है तथा खून का रंग फीका पड़ जाता है। इस स्थिति को एनीमिया कहते हैं।

एनीमिया का प्रभाव

अल्पकालिक प्रभाव :

- जल्दी थकावट आना, सांस फूलना, घबराहट होना एवं चक्कर आना।
- किसी भी कार्य पर ध्यान केन्द्रित न कर पाना।
- शिक्षा में कम प्रगति एवं कार्य करने की क्षमता में कमी।

दीर्घकालिक प्रभाव :

- आयु अनुसार वृद्धि न होना या रुक जाना।
- यौन परिपक्वता में देरी।
- गर्भावस्था पर बुरा प्रभाव जैसे गर्भपात, मृत बच्चे का जन्म आदि।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी।

एनीमिया के संकेत

- नाखून, जीभ, हथेली और आंखो की लालिमा में कमी / फीकापन।

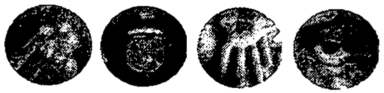

एनीमिया के लक्षण

- मुंह के कोने फटे हुए होना, मुंह में घाव होना।
- खेलकूद तथा पढ़ाई में अरुचि एवं ध्यान केन्द्रित करने में
- परेशानी।
- पैरों में ऐठन।

संक्रमण से प्रतिरोधक क्षमता में कमी।

गंभीर एनीमिया के लक्षण

- भूख कम होना।
- पैरों में सूजन।
- सांस फूलना, सिरदर्द रहना।
- हाथों व पैरों में ठंडापन या संवेदनशून्यता (शून्य हो जाना)।

दिल का बहुत तेजी से धड़कना।

एनीमिया की रोकथाम के तरीके

- आहार आधारित तरीके :

➤ आहार की मात्रा, गुणवत्ता एवं पौष्टिकता बढ़ाकर -
आयरन से भरपूर शाकाहारी पदार्थ जैसे- हरी सब्जी, मेथी, मूली के पत्ते, सरसों का साग, लाल भाजी, चना भाजी, चौलाई, पुदीना, अंकुरित दालें (चना, मूंग मोठ) खजूर, बाजरा आदि तथा मांसाहारी पदार्थ जैसे- मांस, मछली, अंडा के सेवन से।

चना साग | चौलाई | मेथी | पुदीना | दाल | अंडा

➤ जैविक उपलब्धता में सुधार कर- विटामिन-सी युक्त खाद्य पदार्थ जो आयरन के अवशोषण को बढ़ाते है जैसे- नीबू, आंवला, अमरूद, संतरे आदि को भोजन में सम्मिलित करें तथा चाय, कॉफी, कोल्डड्रिंक्स, सोडायुक्त पेय पदार्थ जो आयरन के अवशोषण को कम करते हैं, का भोजन से 2 घंटे पहले एवं बाद सेवन न करें।

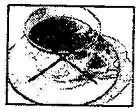

- विभिन्न आयु वर्ग में आईएफए की प्रदायगी निर्धारित डोज अनुसार सुनिश्चित कर।
- मलेरिया से बचाव कर।
- परजीवी/कृमि संक्रमण से बचाव कर।

लगभग 20 से 40 प्रतिशत मातृ मृत्यु के प्रकरणों में अंतर्निहित कारण एनीमिया होता है।

कृमि संक्रमण :

- कृमि संक्रमण अस्वच्छता के कारण होता है। संक्रमित मिट्टी के संपर्क द्वारा कृमि संक्रमण फैलता है। संक्रमित व्यक्ति के मल में कृमि के अंडे होते हैं जो खुले में शौच के कारण मिट्टी में विकसित होते हो जाते हैं। जब स्वस्थ्य व्यक्ति संक्रमित भोजन, गंदे हाथ आदि के संपर्क में आता है तो वह भी संक्रमित हो जाता है।
- कृमि संक्रमण के कारण बच्चे अक्सर बीमार या थके हुए रहते हैं तथा उनकी शारीरिक एवं मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- कृमि पोषक तत्वों से भोजन लेते है, जैसे रक्त, जिससे खून की कमी हो जाती है।
- कृमि बच्चे के शरीर के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्वों को खा लेते है, इससे खून की कमी, कुपोषण और वृद्धि में रुकावट आ जाती है।

कृमि संक्रमण के लक्षण

- कृमि की जितनी अधिक मात्रा (तीव्रता) होगी, संक्रमण के लक्षण उतने अधिक होंगे।
- तीव्र संक्रमण से कई लक्षण उत्पन्न हो सकते है जैसे दस्त, पेट में दर्द, कमजोरी और भूख में कमी।
- हल्के संक्रमण वाले बच्चे में आम तौर पर कोई लक्षण दिखाई नहीं देते।

कृमि संक्रमण से बचाव के तरीके

- पूरी तरह से पका हुआ भोजन खाएं
- साफ व शुद्ध पानी में सब्जियां व फल धोएं
- साफ व शुद्ध पानी पीऐं

- जूते-चप्पल पहनें
- खुले में शौच न जाये।
- स्वच्छ शौचालय का प्रयोग करें
- नाखून साफ और छोटे रखें
- हाथ धोना, विशेषकर खाने से पहले और शौच जाने के बाद। हाथ धोने के छह चरण इस प्रकार हैं :-

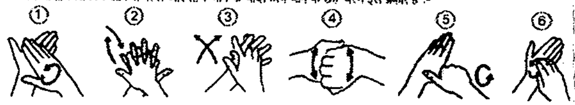

कृमि नियंत्रण हेतु स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से एल्बेंडाजोल सिरप / गोली की प्रदायगी निःशुल्क की जा रही है। एल्बेंडाजोल संक्रमित व गैर संक्रमित बच्चों व वयस्कों दोनों के लिए एक सुरक्षित दवाई है जो कृमि को नियंत्रित कर एनीमिया की रोकथाम में सहायक है

कृमि नियंत्रण के लाभ

- यह खून की कमी को कम करता है और पोषण स्तर को बेहतर बनाता है।
- बच्चों का विकास तेजी से होता है एवं संक्रमण के प्रति, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।
- स्कूल में बच्चों की उपस्थिति में बढ़ोत्तरी तथा सीखने की क्षमता मे सुधार करता है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-3 (2005-06) के अनुसार मध्यप्रदेश में लगभग 74% 6 माह से 60 माह के बच्चे, 58.7% गर्भवती महिलाएं एवं 56% प्रजननशील आयुवर्ग की महिलाएं एनीमिया से ग्रसित हैं।

एनीमिया की रोकथाम हेतु भारत सरकार द्वारा नेशनल आयरन प्लस इनीशिएटिव कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

नेशनल आयरन प्लस इनीशिएटिव (NIPI) कार्यक्रम

नेशनल आयरन प्लस इनीशिएटिव कार्यक्रम का क्रियान्वयन स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग एकीकृत बाल विकास सेवाएं एवं आदिम जाति कल्याण विभाग से समन्वय कर किया जा रहा है।

कार्यक्रम का उद्देश्य :

- विभिन्न हितग्राही समूहों में जीवन-चक्र आधारित रणनीति अपनाते हुए आयरन फॉलिक एसिड (आई.एफ.ए.) अनुपूरण एवं कृमिनाशन हेतु एल्बेंडाजोल की प्रदायगी द्वारा एनीमिया की रोकथाम एवं नियंत्रण करना।

लक्षित आयु समूह :

- 6 माह से 5 वर्ष उम्र के बच्चे।
- 5 से 10 वर्ष उम्र के बच्चे।
- 10 से 19 वर्ष के किशोर एवं किशोरियाँ।
- गर्भवती एवं धात्री (स्तनपान कराने वाली) महिलाएँ।
- 20 से 49 वर्ष की प्रजननशील आयु वर्ग की महिलाएँ।

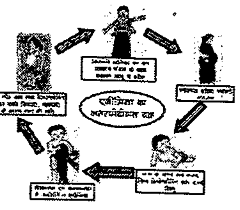

हितग्राही समूहों हेतु निर्धारित आईएफए एवं एल्बेंडाजोल की खुराक :

क्र	हितग्राही समूह	आई.एफ.ए. डोज	एलबेन्डाजॉल की डोज
1	6 से 59 माह के बच्चे	1 एम.एल. आई.एफ.ए. पेडियाट्रिक सीरप (20 मि.ग्रा. एलिमेन्टल आयरन एवं 100 माइक्रोग्राम फॉलिक एसिड) सप्ताह में 2 बार (मंगलवार एवं शुक्रवार) ऑटो डिस्पेंसर या ड्रापर द्वारा	प्रत्येक 6 माह के अंतराल पर बाल सुरक्षा माह के दौरान 1 से 2 वर्ष के बच्चे– 5 एम.एल. आधी शीशी (200 मि.ग्रा.) अथवा आधी चबाने वाली गोली 2 से 5 वर्ष के बच्चे– 10 एम.एल. पूरी शीशी (400 मि.ग्रा.) अथवा एक चबाने वाली गोली
2	5 से 10 वर्ष के बच्चे (WIFS JUNIOR)	1 आई.एफ.ए. की गुलाबी गोली (45 मि.ग्रा. एलिमेन्टल आयरन एवं 400 माइक्रोग्राम फॉलिक एसिड) प्रति सप्ताह (प्रत्येक मंगलवार)	प्रत्येक 6 माह के अंतराल पर एक निश्चित कृमिनाशन दिवस पर प्रदायगी 1 एल्बेन्डाजॉल टेबलेट –(400 मि.ग्रा.)
3	10 से 19 वर्ष के किशोरवय बालक एवं बालिकाएं (WIFS)	1 आई.एफ.ए. की नीली गोली (100 मि.ग्रा. एलिमेन्टल आयरन एवं 500 माइक्रोग्राम फॉलिक एसिड) प्रति सप्ताह (प्रत्येक मंगलवार)	प्रत्येक 6 माह के अंतराल पर एक निश्चित कृमिनाशन दिवस पर प्रदायगी 1 एल्बेन्डाजॉल टेबलेट –(400 मि.ग्रा.)
4	गर्भवती महिला	प्रथम तिमाही मे 400 माइक्रो ग्रा. फॉलिक एसिड की 1 गोली प्रतिदिन प्रथम तिमाही के बाद से प्रतिदिन 1 आई.एफ.ए. की लाल गोली (100 मि.ग्रा. एलिमेन्टल आयरन एवं 500 माइक्रोग्राम फॉलिक एसिड) निरंतर	–
5	धात्री माता स्तनपान कराने वाली माताएं	प्रसवोत्तर 1 आई.एफ.ए. की लाल गोली (100 मि.ग्रा. एलिमेन्टल आयरन एवं 500 माइक्रोग्राम फॉलिक एसिड) प्रतिदिन 100 दिवस तक	–
6	20 से 49 वर्ष की प्रजननकाल की महिलाएं	1 आई.एफ.ए. की गोली (100 मि.ग्रा. एलिमेन्टल आयरन एवं 500 माइक्रोग्राम फॉलिक एसिड) प्रति सप्ताह (प्रत्येक मंगलवार)	प्रत्येक 6 माह के अंतराल पर एक निश्चित कृमिनाशन दिवस पर प्रदायगी 1 एल्बेन्डाजॉल टेबलेट –(400 मि.ग्रा.)